

मताधारण

EXTRAORDINARY

भाग I---खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित



सं० 225] No. 225] नई विल्ली, बुषवार, प्रक्तूबर 4, 1972/प्राहिबन 12, 1894 NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 4, 1972 ASHAVINA 12, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 3rd October 1972

Subject.—Import of (i) Dry Fruits [S. No. 21(a)(ii)/IV], a(ii) Asafoetid [S. No. 31(b)/V], (iii) Cumin Seeds [S. No. 37/IV], (iv) Medicinal Herbs [S. No. 87-109/IV] from Afghanistan from Est March, 1972 to 28th February, 1973.

No. 144-ITC(PN)/72.—Attention is invited to para 13 of Public Notice No. 44-ITC(PN)/72, dated 20th March, 1972, wherein it was stated that no further C.C.P. for import of dry fruits will be issued to an applicant unless documentary evidence is produced to the satisfaction of the concerned licensing authority that he had fulfilled his counter-export obligation within a period of three months of the date of issue of the earlier C.C.P. to the extent of not less than eighty per cent,

in the prescribed proportion as between Schedule 'B-I' and 'B-II' items, i.e. not less than fifty per cent of the exports should have consisted of Schedule 'B-II' items.

2. On a review of the position it has been decided that the time for fulfilment of counter-export obligation in respect of C.C.Ps, granted in terms of the aforesald Public Notice may be deemed to have been extended from three months to six months. No endorsement to this effect is necessary to be made on the C.C.Ps by the licensing authorities concerned. The Reserve Bank of India/Customs authorities will allow exports to Afghanistan within the extended date on the basis of this Public Notice, if the exports are otherwise in order.

M. M. SEN, Chief Controller of Imports & Exports.

विदेश व्यागार मंद्रालय सःवंजनिक सूचना प्रायात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, 4 अक्तूपर, 1972

विषय :- 1.3.1972 में 28.2.1973 तक अक्रातितान से (1) सूखे फन (ऋप सं० $21(\nabla)(2)/4)$, (2) हींग (ऋप सं० 31 (बी)/5, (3) जोरा बीज (ऋप सं० 31/4), अीन्नोय जड़ी बूटियों का आयात ।

संख्या :144 प्राई० टी० सी० (पी०एत० /72 सार्वजितिक सूचना सं० 44 प्राई० टी०सी० (पी एत)/72, दिनाक 20 मार्च, 1972 की कंडिका 13 की ग्रीर ध्यान ग्राकुष्ट किया जाता है जिसमें यह बतनाया गया था कि एक ग्रावेदक की सूखे फर्नों के ग्रायान के लिए प्राप्त सीमाण्टक निकासी परिमट तब तक नही जारी किया जाएगा जब तक संबन्ध लाइ में प्रिधिकारी की उसकी संतुष्टि के लिए ध्रा संबंध में प्रेबीम माक्ष्य नहीं प्रानुत किया जाता कि उसने प्रानुसूची 'बी-1' प्रीर प्रानुसूची 2 'बी' के बीच की मदों का निर्धारित प्रतुप्तात में ग्रार्थीत् किए गए निर्यातों का 50% में कम प्रानुसूची 2-'बी' को महीं का निर्धात तहीं होता चाहिए--पहने के सीमाणुटक निकासी परिमट के जारी होते की नारीख से नीन साह की ग्रायधि के भीतर 80% से कम के प्रति-निर्यात ग्राभार की पूर्ति नहीं की थीं।

2, स्थिति को पुतरोक्षा कर यह निश्वय किया गया है कि उपर्युक्त सार्वे जनिक सूचना के श्रनुसार जारी किए गए भीमा गुरू कि कासी परमिटों के संबंध में प्रति—निर्यात श्राभार को पूरा करने के लिए तीन माह की दो गई श्रवधि को छ. माह तक बढ़ाया गया समझा जाए । इस संबंध में सीमा गुरूक निकासी परमिटों पर संबंद्ध लाइमेंस प्राधिकारियों द्वारा पृष्ठांकन करने की आवश्यकता नहीं है । यदि निर्यात श्रन्थथा ठीक हैं, तो रिजर्ब मैं रुग्राफ इंडिया / सीमाशुल्क प्राधिकारी श्रफगानिस्तान को निर्यात करने के लिए इस सार्वजनिक सूचना के श्राधार पर बढ़ाई गई अवधि तक श्रनुमति देंगें।

> एम० एम० सेन, गढ्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात ।

